VSA
A Real English Medium School

VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL

An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce

Little Steps
Pre Primary wing of VSA

W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Subject-Hindi Class 10 topic: lokoktiyan

निम्नलिखित लोकोक्तियों को अर्थ सहित लिखिए।

लोकोक्तियाँ	लोकोक्तियों का अर्थ
अंधा क्या चाहे दो आंखें	बिना प्रयास फल की प्राप्ति
अंधेर नगरी चैपट राजा	अयोग्य प्रशासन
अंधा बांटे रेवड़ी फिर-फिर अपनों को देय	अधिकार पर स्वार्थी व्यक्ति को अपने लोगों की ही मदद करता है
अंधे के हाथ बटेर लगना	बिना परिश्रम के अयोग्य व्यक्ति को सुफल की प्राप्ति
अंधों में काना राजा	मूर्खों के बीच अल्पज्ञ भी बुद्धिमान माना जाता है।
अधजल गगरी छलकत जाय	अल्पज्ञ अपने ज्ञान पर अधिक इतराता है।
अपनी करनी पर उतरना	मनुष्य को स्वयं के कर्मो के अनुसार ही फल मिलता है
अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	अकेला आदमी बड़ा काम नहीं कर सकता।
अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत	हानि हो जाने के बाद पछताना व्यर्थ है
अंडे सेवे कोई, बच्चे लेवे कोई	परिश्रम काई करे फल किसी अन्य को मिले
अंधे के आगे रोना, अपना दीदा खोना	सहानुभूतिहीन या मूर्ख व्यक्ति के सामने दुखड़ा रोना व्यर्थ है।
अक्ल बडी या भैंस	शारीरिक बल की अपेक्षा बुद्धिबल श्रेष्ट होता है।
अटका बनिया देव उधार	मजबूर व्यक्ति अनचाहा कार्य भी करता है।
अपना रख पराया चख	स्वयं के पास होने पर भी किसी अन्य की वस्तु का उपयोग करना
अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग	तालमेल न होना
अरहर की टट्टी गुजराती ताला	बेमेल प्रबंध, सामान्य चीजों की सुरक्षा में अत्यधिक खर्च करना
अपना हाथ जगन्नाथ	अपना कार्य स्वयं करना ही उपयुक्त रहता है
आंख का अंधा, गांठ का पूरा	बुद्धिहीन किंतु सम्पन्न